

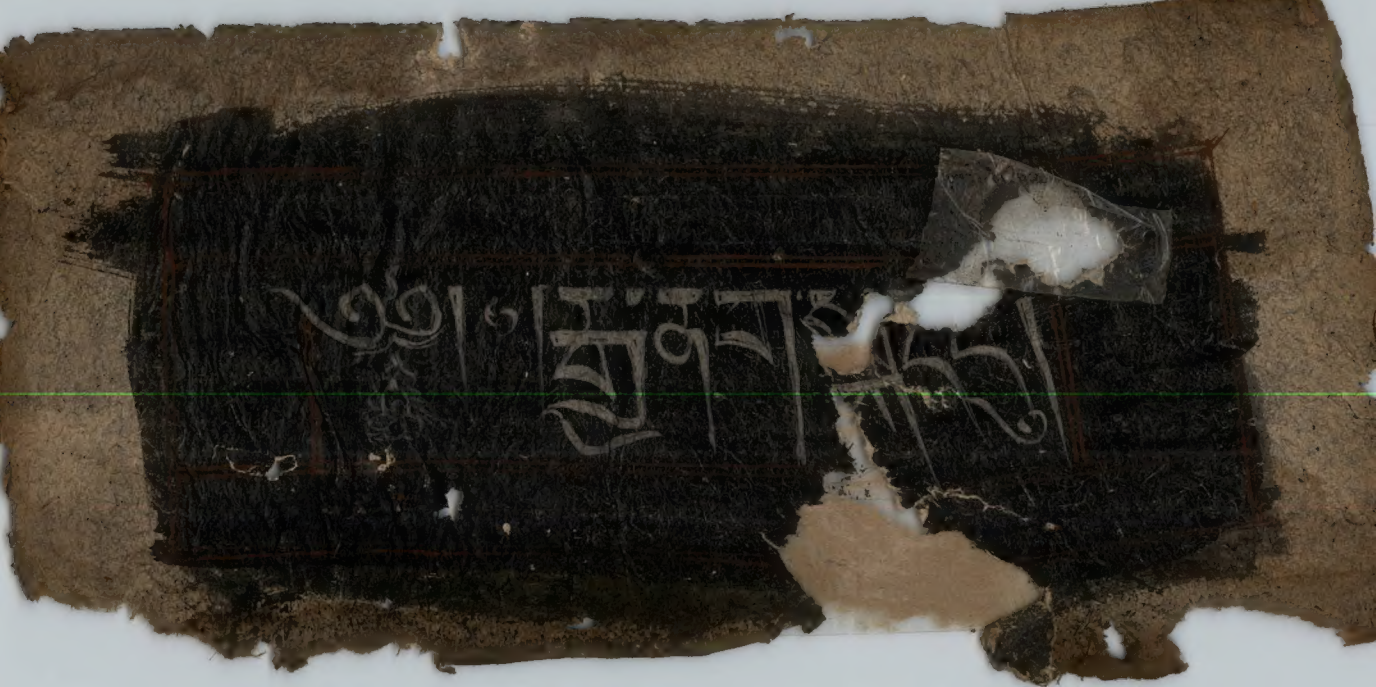


Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W3CN2507	ImageGroup:	I3CN2541
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	སྤུག་རོང་རི་མགུལ་ཆ་ཚང་གི་བོན་གྱི་ཡིག་རྩིང་ཕྱོགས་བསྡེབས། smug rong ri mgul cha tshang gi bon gyi yig rnying phyogs bsdebs/
Author:	n/a
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	33
Total Volumes:	37
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor, Cambridge, Mass. 02138. Comments: 3/2016





Handwritten text in a dark, rectangular area, likely a manuscript or document. The text is written in a script that appears to be Devanagari or a similar Indic script, though it is heavily obscured by the dark background and the texture of the material. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The surrounding area is a lighter, brownish-grey material, possibly leather or parchment, showing signs of wear and discoloration.

Handwritten text in a dark, rectangular area on aged, textured paper. The text is written in a script that appears to be a form of Indic or Southeast Asian script, possibly Khmer or Thai, though the characters are somewhat obscured by the dark background and the texture of the paper. The text is arranged in several lines, filling the central rectangular area.

...
...
...
...
...
...
...
...

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dark and appears to be written on aged, slightly textured paper. The text is mostly legible but shows signs of fading and wear, particularly in the middle and right portions of the page. The first line begins with a small, stylized symbol or character, possibly a religious or institutional mark. The subsequent lines contain dense, flowing script, with some characters appearing to be in a different script or dialect, possibly indicating a mix of languages or a specific regional variant. The overall appearance is that of an old, well-used document.

...
...
...
...
...
...
...
...
...
...
...

...
...
...
...
...
...
...
...
...

...
...
...
...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

Vertical text on the left margin, likely a page number or chapter indicator.

Handwritten text in a script, likely Tibetan, arranged in horizontal lines across the central portion of the page. The text is densely packed and appears to be a continuous passage.

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ॥ २ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा ॥ ३ ॥
सर्वकलहहर्त्रा सर्वमोक्षदत्ता ॥ ४ ॥
सर्वमङ्गलमायुष्यं सर्वसुखदायकं ॥ ५ ॥
सर्वविघ्नहर्त्रा सर्वशत्रुघ्नं ॥ ६ ॥
सर्वदुष्टहर्त्रा सर्वप्रेमदायकं ॥ ७ ॥
सर्वमङ्गलमायुष्यं सर्वसुखदायकं ॥ ८ ॥
सर्वविघ्नहर्त्रा सर्वशत्रुघ्नं ॥ ९ ॥
सर्वदुष्टहर्त्रा सर्वप्रेमदायकं ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥
कुन्ति उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव
कीदृशं करिष्यते ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
यत्किञ्चिद्विदुः ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and poor scan quality.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीता ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अर्जुन उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ १ ॥
 कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव
 ॥ २ ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव
 ॥ ३ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ ४ ॥ अर्जुन उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ ५ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ ६ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ ७ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ ८ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ ९ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ १० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a dark ink on aged, yellowed paper. The script is dense and appears to be a form of historical or religious text, possibly a record or a letter. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the central portion of the page.

...विष्णुसहस्रनाम...
...सुप्रसन्न...
...सुप्रसन्न...
...सुप्रसन्न...
...सुप्रसन्न...
...सुप्रसन्न...

विष्णुसहस्रनाम



1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.





ཕྱུ་ཡུལ་ ཚེས་གསལ་ཡུལ་ ཚེས་མཁའ་ཡུལ་ ཚེས་གསལ་ཡུལ་

ཕྱུ་

ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་

ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་

ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་

[illegible]

卷之六

[illegible]

[illegible]

[illegible]

天啓

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

家

新刊

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ २ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ३ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ४ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ५ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ६ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ७ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ८ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ९ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ १० ॥

Handwritten marginal text on the left side of the page.

Handwritten text in a historical script, likely Tibetan, arranged in approximately 12 horizontal lines within a rectangular frame. The text is densely packed and appears to be a formal record or legal document. The script is dark and contrasts with the lighter, aged background of the parchment.

[illegible]

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ । विष्णुस्य च त्र्यम्बकं यजामहे सुब्रह्मण्यदेव्यः ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible][illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

Handwritten text in a script, likely Indic, on a palm leaf manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines within a rectangular frame. The script is dark and appears to be a form of Devanagari or a related Indic script. The leaf shows signs of age, including discoloration and some damage, particularly a large hole on the right side. The text is written in a cursive style, typical of traditional manuscript writing.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ २ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ३ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ४ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ५ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ६ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ७ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ८ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ९ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ १० ॥

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is arranged in approximately 12 horizontal lines within a rectangular frame. The script is dense and difficult to decipher due to its cursive nature and the image quality. The text appears to be in a historical language, possibly Hebrew or Arabic, given the context of the image. The document is aged and shows signs of wear, including discoloration and some damage to the edges.

འཕགས་པའི་ཐུགས་རྒྱུ་ལྟར་ལྟོགས་པའི་ཐུགས་རྒྱུ་ལྟར་

১০৮
 ১০৯
 ১১০
 ১১১
 ১১২
 ১১৩
 ১১৪
 ১১৫
 ১১৬
 ১১৭
 ১১৮
 ১১৯
 ১২০
 ১২১
 ১২২
 ১২৩
 ১২৪
 ১২৫
 ১২৬
 ১২৭
 ১২৮
 ১২৯
 ১৩০
 ১৩১
 ১৩২
 ১৩৩
 ১৩৪
 ১৩৫
 ১৩৬
 ১৩৭
 ১৩৮
 ১৩৯
 ১৪০
 ১৪১
 ১৪২
 ১৪৩
 ১৪৪
 ১৪৫
 ১৪৬
 ১৪৭
 ১৪৮
 ১৪৯
 ১৫০
 ১৫১
 ১৫২
 ১৫৩
 ১৫৪
 ১৫৫
 ১৫৬
 ১৫৭
 ১৫৮
 ১৫৯
 ১৬০
 ১৬১
 ১৬২
 ১৬৩
 ১৬৪
 ১৬৫
 ১৬৬
 ১৬৭
 ১৬৮
 ১৬৯
 ১৭০
 ১৭১
 ১৭২
 ১৭৩
 ১৭৪
 ১৭৫
 ১৭৬
 ১৭৭
 ১৭৮
 ১৭৯
 ১৮০
 ১৮১
 ১৮২
 ১৮৩
 ১৮৪
 ১৮৫
 ১৮৬
 ১৮৭
 ১৮৮
 ১৮৯
 ১৯০
 ১৯১
 ১৯২
 ১৯৩
 ১৯৪
 ১৯৫
 ১৯৬
 ১৯৭
 ১৯৮
 ১৯৯
 ২০০

Handwritten text in an ancient script, likely Tibetan, arranged in approximately 12 horizontal lines. The script is dark and dense, with some characters appearing to be in a different script or dialect than others. The text is framed by a simple border. The paper is aged and shows signs of wear, including discoloration and some damage at the edges.

འཕྲིན་ལ་མེད་པའི་ཐུགས་རྒྱུ་གཤམ་པའི་ཕུགས་པའི་

ཐུགས་རྒྱུ་གཤམ་པའི་ཕུགས་པའི་

ཐུགས་

ཐུགས་རྒྱུ་གཤམ་པའི་ཕུགས་པའི་

ཐུགས་རྒྱུ་གཤམ་པའི་ཕུགས་པའི་

ཐུགས་རྒྱུ་གཤམ་པའི་ཕུགས་པའི་

ཐུགས་

ཐུགས་

ཐུགས་རྒྱུ་གཤམ་པའི་ཕུགས་པའི་

ཐུགས་

ཐུགས་

ཐུགས་རྒྱུ་གཤམ་པའི་ཕུགས་པའི་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ २ ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवा ॥ मामका पांडवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ ३ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ४ ॥
 पांडव उवाच ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

ཆད་གསུམ་པར་གཟུགས་ལྟོང་གི་བྱུང་།

ସବୁର ସମସ୍ତଙ୍କ ସମ୍ମୁଖରେ ସ୍ଥାପନ

1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 2679, 26

॥ सावर्निधायकं यत्नं ॥

ସାବିତ୍ରୀଦେବୀଙ୍କୁ ପଢ଼ାଉଥିବା ଶିକ୍ଷକ

ॐ
ॐ
ॐ

ॐ ॥ १॥ २॥ ३॥ ४॥ ५॥ ६॥ ७॥ ८॥ ९॥ १०॥ ११॥ १२॥ १३॥ १४॥ १५॥ १६॥ १७॥ १८॥ १९॥ २०॥ २१॥ २२॥ २३॥ २४॥ २५॥ २६॥ २७॥ २८॥ २९॥ ३०॥ ३१॥ ३२॥ ३३॥ ३४॥ ३५॥ ३६॥ ३७॥ ३८॥ ३९॥ ४०॥ ४१॥ ४२॥ ४३॥ ४४॥ ४५॥ ४६॥ ४७॥ ४८॥ ४९॥ ५०॥ ५१॥ ५२॥ ५३॥ ५४॥ ५५॥ ५६॥ ५७॥ ५८॥ ५९॥ ६०॥ ६१॥ ६२॥ ६३॥ ६४॥ ६५॥ ६६॥ ६७॥ ६८॥ ६९॥ ७०॥ ७१॥ ७२॥ ७३॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥ ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥ ८७॥ ८८॥ ८९॥ ९०॥ ९१॥ ९२॥ ९३॥ ९४॥ ९५॥ ९६॥ ९७॥ ९८॥ ९९॥ १००॥

ॐ ॥ १॥ २॥ ३॥ ४॥ ५॥ ६॥ ७॥ ८॥ ९॥ १०॥ ११॥ १२॥ १३॥ १४॥ १५॥ १६॥ १७॥ १८॥ १९॥ २०॥ २१॥ २२॥ २३॥ २४॥ २५॥ २६॥ २७॥ २८॥ २९॥ ३०॥ ३१॥ ३२॥ ३३॥ ३४॥ ३५॥ ३६॥ ३७॥ ३८॥ ३९॥ ४०॥ ४१॥ ४२॥ ४३॥ ४४॥ ४५॥ ४६॥ ४७॥ ४८॥ ४९॥ ५०॥ ५१॥ ५२॥ ५३॥ ५४॥ ५५॥ ५६॥ ५७॥ ५८॥ ५९॥ ६०॥ ६१॥ ६२॥ ६३॥ ६४॥ ६५॥ ६६॥ ६७॥ ६८॥ ६९॥ ७०॥ ७१॥ ७२॥ ७३॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥ ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥ ८७॥ ८८॥ ८९॥ ९०॥ ९१॥ ९२॥ ९३॥ ९४॥ ९५॥ ९६॥ ९७॥ ९८॥ ९९॥ १००॥

ॐ

गङ्गा

विष्णु

कृष्ण

शिव

सुखी न के देव विना तुम्हें ।

आनंद वर देव विना तुम्हें ।

सुखी न के देव विना तुम्हें ।

आनंद वर देव विना तुम्हें ।

सुखी न के देव विना तुम्हें ।

आनंद वर देव विना तुम्हें ।

सुखी न के देव विना तुम्हें ।

देव न के देव विना तुम्हें ।

आनंद वर देव विना तुम्हें ।

सुखी न के देव विना तुम्हें ।

आनंद वर देव विना तुम्हें ।

सुखी न के देव विना तुम्हें ।

आनंद वर देव विना तुम्हें ।

सुखी न के देव विना तुम्हें ।

देव न के देव विना तुम्हें ।

आनंद वर देव विना तुम्हें ।

सुखी न के देव विना तुम्हें ।

आनंद वर देव विना तुम्हें ।

सुखी न के देव विना तुम्हें ।

आनंद वर देव विना तुम्हें ।

सुखी न के देव विना तुम्हें ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदपुत्रः कौरवस्य द्रुपदः ॥ द्रुपदः कुरुक्षेत्रे युधामन्युः ॥ २ ॥
द्रुपद उवाच ॥ अहो भवतु कुरुक्षेत्रे युधामन्युः ॥ ३ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ अहो भवतु कुरुक्षेत्रे युधामन्युः ॥ ४ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ अहो भवतु कुरुक्षेत्रे युधामन्युः ॥ ५ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ अहो भवतु कुरुक्षेत्रे युधामन्युः ॥ ६ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ अहो भवतु कुरुक्षेत्रे युधामन्युः ॥ ७ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ अहो भवतु कुरुक्षेत्रे युधामन्युः ॥ ८ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ अहो भवतु कुरुक्षेत्रे युधामन्युः ॥ ९ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ अहो भवतु कुरुक्षेत्रे युधामन्युः ॥ १० ॥

Handwritten text in a script, likely Indic, enclosed within a rectangular border. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dark and appears to be a form of Devanagari or a related Indic script. The text is somewhat faded and the ink is dark, making it difficult to read. The background is a light, textured surface, possibly parchment or paper. The text is written in a cursive style, with some characters being more prominent than others. The overall appearance is that of an ancient manuscript or a historical document.

Handwritten text in a cursive script, likely a manuscript page. The text is arranged in approximately 12 horizontal lines, enclosed within a rectangular border. The script is dense and appears to be a form of shorthand or a specific dialect. The page shows signs of age and wear, with some ink fading and irregular staining, particularly along the right edge and bottom. The text is written in a dark ink on a light-colored, possibly parchment or aged paper, background.

Handwritten text in a script, likely Indic, enclosed within a rectangular border. The text is arranged in approximately 12 horizontal lines. The script is highly stylized and appears to be a form of Devanagari or a related Indic script. The paper is aged and shows significant wear, including tears and discoloration. The text is written in a dark ink, possibly black or dark brown. The overall appearance is that of an ancient manuscript or a historical document. The text is written in a cursive style, with some characters appearing to be ligatures or variations of standard characters. The border is a simple rectangular frame, possibly drawn with a different ink or a different tool. The text is centered within the border. The paper is a light brown or tan color, with some darker spots and a mottled texture. The edges of the paper are slightly irregular and worn. The overall image is in black and white, with some color correction applied to make the text more legible. The text is written in a right-to-left direction, which is common for many Indic scripts. The characters are small and closely spaced, with some larger characters that may represent vowels or specific grammatical markers. The text is a single paragraph or a short section of a larger work. The handwriting is consistent throughout, suggesting it was written by a single scribe. The ink is dark and well-defined, though there are some fading and bleed-through visible. The paper is thin and shows some signs of aging, such as yellowing and small holes. The overall image is a high-contrast, black and white scan of a physical document. The text is the primary focus, with the border and paper texture providing context. The script is a key feature, as it identifies the language and the nature of the document. The image is a detailed representation of a historical artifact, capturing its visual and textual elements. The text is a valuable piece of information, and the image provides a clear view of its presentation and condition. The overall image is a high-quality scan of a physical document, suitable for academic or historical study. The text is a key feature, as it identifies the language and the nature of the document. The image is a detailed representation of a historical artifact, capturing its visual and textual elements. The text is a valuable piece of information, and the image provides a clear view of its presentation and condition. The overall image is a high-quality scan of a physical document, suitable for academic or historical study.

ཐུག་པའི་སྒོ་ནས་བཤད་པའི་མཛན་པོ།

सुप्रसन्नोऽयं भगवान्

२३५३४६७८९



[illegible]

बुद्धिमान विद्वान्

ਕੇਵਲ ੨੦ ਸੁਰ ਕੁੰਝਾ ਏਨਾ





1997

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

卷之五

[illegible]

ਮਕੰਦਰੇਕਸਤਰਪੰਤ੍ਰਿਬਪਤ੍ਰਪੁਰਾਪਤ੍ਰ
ਕਿਰੰਦੇਦਗਾਵੀਨਾਅਸੁਰਵੀਰ
ਦਯਾਕਰਦੁਗਾਘੋਰਕੰਧਸਤਰਾਵੀਯਾ
ਕੁਰਲਾਨੰਤੁਰੁਪਾਧੁ
ਸੁਕੰਧਿਰਾਨਾਸੁਘਾਘੋਰ
ਤੁਪਾਦੰਸੁਰਾਦੁਰਾਗਾਕੰਧਪਤ੍ਰਪੁਰਾਪਤ੍ਰ
ਕਾਮਿਕਾਨਾਪੁਰੁਕਾਕੰਧ
ਦਯਾਕਰਦੁਗਾਘੋਰਕੰਧਸਤਰਾਵੀਯਾ
ਕੁਰਲਾਨੰਤੁਰੁਪਾਧੁ
ਸੁਕੰਧਿਰਾਨਾਸੁਘਾਘੋਰ
ਤੁਪਾਦੰਸੁਰਾਦੁਰਾਗਾਕੰਧਪਤ੍ਰਪੁਰਾਪਤ੍ਰ
ਕਾਮਿਕਾਨਾਪੁਰੁਕਾਕੰਧ
ਦਯਾਕਰਦੁਗਾਘੋਰਕੰਧਸਤਰਾਵੀਯਾ
ਕੁਰਲਾਨੰਤੁਰੁਪਾਧੁ
ਸੁਕੰਧਿਰਾਨਾਸੁਘਾਘੋਰ
ਤੁਪਾਦੰਸੁਰਾਦੁਰਾਗਾਕੰਧਪਤ੍ਰਪੁਰਾਪਤ੍ਰ
ਕਾਮਿਕਾਨਾਪੁਰੁਕਾਕੰਧ

Handwritten marginal notes in a vertical column on the left side of the page.

Handwritten text in a historical script, likely Tibetan, arranged in horizontal lines across the main body of the page. The text is densely packed and appears to be a continuous narrative or record.

১০। অথবা কংকণ অথবা বস্ত্র অথবা মণ্ডিত
 ১১। অথবা কংকণ অথবা বস্ত্র অথবা মণ্ডিত
 ১২। অথবা কংকণ অথবা বস্ত্র অথবা মণ্ডিত
 ১৩। অথবা কংকণ অথবা বস্ত্র অথবা মণ্ডিত
 ১৪। অথবা কংকণ অথবা বস্ত্র অথবা মণ্ডিত
 ১৫। অথবা কংকণ অথবা বস্ত্র অথবা মণ্ডিত
 ১৬। অথবা কংকণ অথবা বস্ত্র অথবা মণ্ডিত
 ১৭। অথবা কংকণ অথবা বস্ত্র অথবা মণ্ডিত
 ১৮। অথবা কংকণ অথবা বস্ত্র অথবা মণ্ডিত
 ১৯। অথবা কংকণ অথবা বস্ত্র অথবা মণ্ডিত
 ২০। অথবা কংকণ অথবা বস্ত্র অথবা মণ্ডিত

ॐ नमो

ॐ नमो

ॐ नमो

ॐ नमो

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



也。



১৭৮৫ খ্রিঃ ১২শে বৈশাখ

[illegible]

ཁོ་རྒྱུ་གི་སྐད་ཀྱི་མཛན་བཤད།

1994

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ २ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ३ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ४ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ५ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ६ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ७ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ८ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ९ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ १० ॥

Handwritten text in a script, likely Indic, enclosed within a rectangular border. The text is arranged in approximately 12 horizontal lines. The script is dark and appears to be a form of Devanagari or a related Indic script. The page shows signs of age and wear, with some discoloration and a small tear visible on the left side.

संस्कृत-विभाग

འཕྲིན་ཏུ་ཡང་ཤུག་པ་ཟླ་བ་ལ་མ་

[illegible]

410

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

Handwritten text in a script, likely Indic, arranged in approximately 12 horizontal lines. The text is contained within a rectangular border. The script is dark and appears to be a form of Devanagari or a related Indic script. The text is somewhat faded and the ink is dark, making it difficult to read precisely. The lines are roughly horizontal and fill most of the page area within the border.

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

2008年12月15日

पञ्चमः प्रश्नः

ব' প্রায় ব' প্রায়

10

EN

66

Handwritten marginal notes in Devanagari script, likely a commentary or index.

Main body of handwritten text in Devanagari script, organized into approximately 10 horizontal lines. The script is dense and appears to be a form of Sanskrit or a classical Indian language.

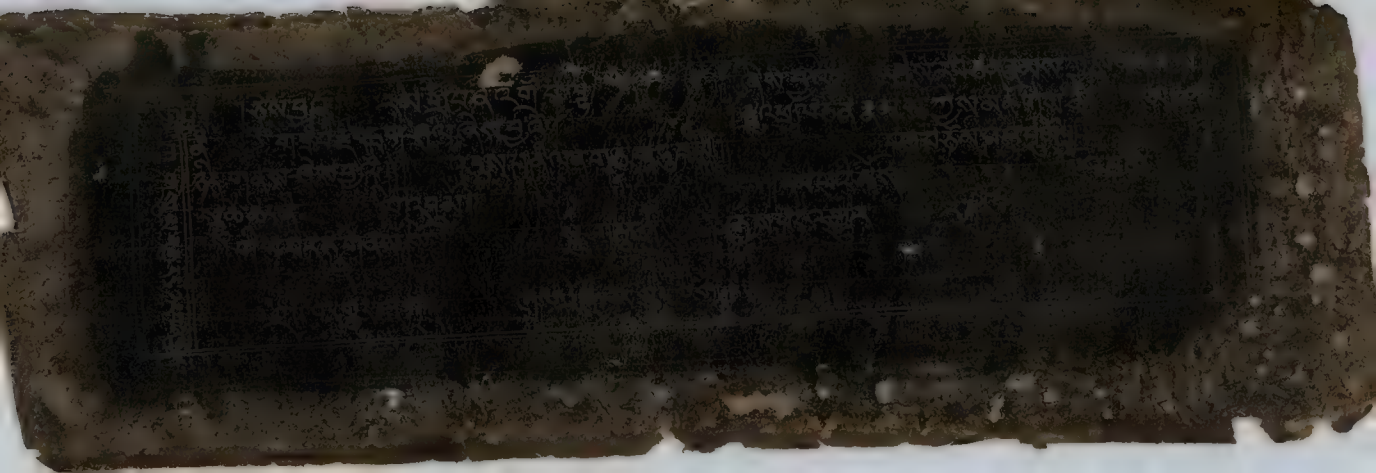
۱۰۸
 ۱۰۹
 ۱۱۰
 ۱۱۱
 ۱۱۲
 ۱۱۳
 ۱۱۴
 ۱۱۵
 ۱۱۶
 ۱۱۷
 ۱۱۸
 ۱۱۹
 ۱۲۰
 ۱۲۱
 ۱۲۲
 ۱۲۳
 ۱۲۴
 ۱۲۵
 ۱۲۶
 ۱۲۷
 ۱۲۸
 ۱۲۹
 ۱۳۰
 ۱۳۱
 ۱۳۲
 ۱۳۳
 ۱۳۴
 ۱۳۵
 ۱۳۶
 ۱۳۷
 ۱۳۸
 ۱۳۹
 ۱۴۰
 ۱۴۱
 ۱۴۲
 ۱۴۳
 ۱۴۴
 ۱۴۵
 ۱۴۶
 ۱۴۷
 ۱۴۸
 ۱۴۹
 ۱۵۰
 ۱۵۱
 ۱۵۲
 ۱۵۳
 ۱۵۴
 ۱۵۵
 ۱۵۶
 ۱۵۷
 ۱۵۸
 ۱۵۹
 ۱۶۰
 ۱۶۱
 ۱۶۲
 ۱۶۳
 ۱۶۴
 ۱۶۵
 ۱۶۶
 ۱۶۷
 ۱۶۸
 ۱۶۹
 ۱۷۰
 ۱۷۱
 ۱۷۲
 ۱۷۳
 ۱۷۴
 ۱۷۵
 ۱۷۶
 ۱۷۷
 ۱۷۸
 ۱۷۹
 ۱۸۰
 ۱۸۱
 ۱۸۲
 ۱۸۳
 ۱۸۴
 ۱۸۵
 ۱۸۶
 ۱۸۷
 ۱۸۸
 ۱۸۹
 ۱۹۰
 ۱۹۱
 ۱۹۲
 ۱۹۳
 ۱۹۴
 ۱۹۵
 ۱۹۶
 ۱۹۷
 ۱۹۸
 ۱۹۹
 ۲۰۰
 ۲۰۱
 ۲۰۲
 ۲۰۳
 ۲۰۴
 ۲۰۵
 ۲۰۶
 ۲۰۷
 ۲۰۸
 ۲۰۹
 ۲۱۰
 ۲۱۱
 ۲۱۲
 ۲۱۳
 ۲۱۴
 ۲۱۵
 ۲۱۶
 ۲۱۷
 ۲۱۸
 ۲۱۹
 ۲۲۰
 ۲۲۱
 ۲۲۲
 ۲۲۳
 ۲۲۴
 ۲۲۵
 ۲۲۶
 ۲۲۷
 ۲۲۸
 ۲۲۹
 ۲۳۰
 ۲۳۱
 ۲۳۲
 ۲۳۳
 ۲۳۴
 ۲۳۵
 ۲۳۶
 ۲۳۷
 ۲۳۸
 ۲۳۹
 ۲۴۰
 ۲۴۱
 ۲۴۲
 ۲۴۳
 ۲۴۴
 ۲۴۵
 ۲۴۶
 ۲۴۷
 ۲۴۸
 ۲۴۹
 ۲۵۰
 ۲۵۱
 ۲۵۲
 ۲۵۳
 ۲۵۴
 ۲۵۵
 ۲۵۶
 ۲۵۷
 ۲۵۸
 ۲۵۹
 ۲۶۰
 ۲۶۱
 ۲۶۲
 ۲۶۳
 ۲۶۴
 ۲۶۵
 ۲۶۶
 ۲۶۷
 ۲۶۸
 ۲۶۹
 ۲۷۰
 ۲۷۱
 ۲۷۲
 ۲۷۳
 ۲۷۴
 ۲۷۵
 ۲۷۶
 ۲۷۷
 ۲۷۸
 ۲۷۹
 ۲۸۰
 ۲۸۱
 ۲۸۲
 ۲۸۳
 ۲۸۴
 ۲۸۵
 ۲۸۶
 ۲۸۷
 ۲۸۸
 ۲۸۹
 ۲۹۰
 ۲۹۱
 ۲۹۲
 ۲۹۳
 ۲۹۴
 ۲۹۵
 ۲۹۶
 ۲۹۷
 ۲۹۸
 ۲۹۹
 ۳۰۰
 ۳۰۱
 ۳۰۲
 ۳۰۳
 ۳۰۴
 ۳۰۵
 ۳۰۶
 ۳۰۷
 ۳۰۸
 ۳۰۹
 ۳۱۰
 ۳۱۱
 ۳۱۲
 ۳۱۳
 ۳۱۴
 ۳۱۵
 ۳۱۶
 ۳۱۷
 ۳۱۸
 ۳۱۹
 ۳۲۰
 ۳۲۱
 ۳۲۲
 ۳۲۳
 ۳۲۴
 ۳۲۵
 ۳۲۶
 ۳۲۷
 ۳۲۸
 ۳۲۹
 ۳۳۰
 ۳۳۱
 ۳۳۲
 ۳۳۳
 ۳۳۴
 ۳۳۵
 ۳۳۶
 ۳۳۷
 ۳۳۸
 ۳۳۹
 ۳۴۰
 ۳۴۱
 ۳۴۲
 ۳۴۳
 ۳۴۴
 ۳۴۵
 ۳۴۶
 ۳۴۷
 ۳۴۸
 ۳۴۹
 ۳۵۰
 ۳۵۱
 ۳۵۲
 ۳۵۳
 ۳۵۴
 ۳۵۵
 ۳۵۶
 ۳۵۷
 ۳۵۸
 ۳۵۹
 ۳۶۰
 ۳۶۱
 ۳۶۲
 ۳۶۳
 ۳۶۴
 ۳۶۵
 ۳۶۶
 ۳۶۷
 ۳۶۸
 ۳۶۹
 ۳۷۰
 ۳۷۱
 ۳۷۲
 ۳۷۳
 ۳۷۴
 ۳۷۵
 ۳۷۶
 ۳۷۷
 ۳۷۸
 ۳۷۹
 ۳۸۰
 ۳۸۱
 ۳۸۲
 ۳۸۳
 ۳۸۴
 ۳۸۵
 ۳۸۶
 ۳۸۷
 ۳۸۸
 ۳۸۹
 ۳۹۰
 ۳۹۱
 ۳۹۲
 ۳۹۳
 ۳۹۴
 ۳۹۵
 ۳۹۶
 ۳۹۷
 ۳۹۸
 ۳۹۹
 ۴۰۰
 ۴۰۱
 ۴۰۲
 ۴۰۳
 ۴۰۴
 ۴۰۵
 ۴۰۶
 ۴۰۷
 ۴۰۸
 ۴۰۹
 ۴۱۰
 ۴۱۱
 ۴۱۲
 ۴۱۳
 ۴۱۴
 ۴۱۵
 ۴۱۶
 ۴۱۷
 ۴۱۸
 ۴۱۹
 ۴۲۰
 ۴۲۱
 ۴۲۲
 ۴۲۳
 ۴۲۴
 ۴۲۵
 ۴۲۶
 ۴۲۷
 ۴۲۸
 ۴۲۹
 ۴۳۰
 ۴۳۱
 ۴۳۲
 ۴۳۳
 ۴۳۴
 ۴۳۵
 ۴۳۶
 ۴۳۷
 ۴۳۸
 ۴۳۹
 ۴۴۰
 ۴۴۱
 ۴۴۲
 ۴۴۳
 ۴۴۴
 ۴۴۵
 ۴۴۶
 ۴۴۷
 ۴۴۸
 ۴۴۹
 ۴۵۰
 ۴۵۱
 ۴۵۲
 ۴۵۳
 ۴۵۴
 ۴۵۵
 ۴۵۶
 ۴۵۷
 ۴۵۸
 ۴۵۹
 ۴۶۰
 ۴۶۱
 ۴۶۲
 ۴۶۳
 ۴۶۴
 ۴۶۵
 ۴۶۶
 ۴۶۷
 ۴۶۸
 ۴۶۹
 ۴۷۰
 ۴۷۱
 ۴۷۲
 ۴۷۳
 ۴۷۴
 ۴۷۵
 ۴۷۶
 ۴۷۷
 ۴۷۸
 ۴۷۹

১৩
 ১৪
 ১৫
 ১৬
 ১৭
 ১৮
 ১৯
 ২০
 ২১
 ২২
 ২৩
 ২৪
 ২৫
 ২৬
 ২৭
 ২৮
 ২৯
 ৩০
 ৩১
 ৩২
 ৩৩
 ৩৪
 ৩৫
 ৩৬
 ৩৭
 ৩৮
 ৩৯
 ৪০
 ৪১
 ৪২
 ৪৩
 ৪৪
 ৪৫
 ৪৬
 ৪৭
 ৪৮
 ৪৯
 ৫০
 ৫১
 ৫২
 ৫৩
 ৫৪
 ৫৫
 ৫৬
 ৫৭
 ৫৮
 ৫৯
 ৬০
 ৬১
 ৬২
 ৬৩
 ৬৪
 ৬৫
 ৬৬
 ৬৭
 ৬৮
 ৬৯
 ৭০
 ৭১
 ৭২
 ৭৩
 ৭৪
 ৭৫
 ৭৬
 ৭৭
 ৭৮
 ৭৯
 ৮০
 ৮১
 ৮২
 ৮৩
 ৮৪
 ৮৫
 ৮৬
 ৮৭
 ৮৮
 ৮৯
 ৯০
 ৯১
 ৯২
 ৯৩
 ৯৪
 ৯৫
 ৯৬
 ৯৭
 ৯৮
 ৯৯
 ১০০

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

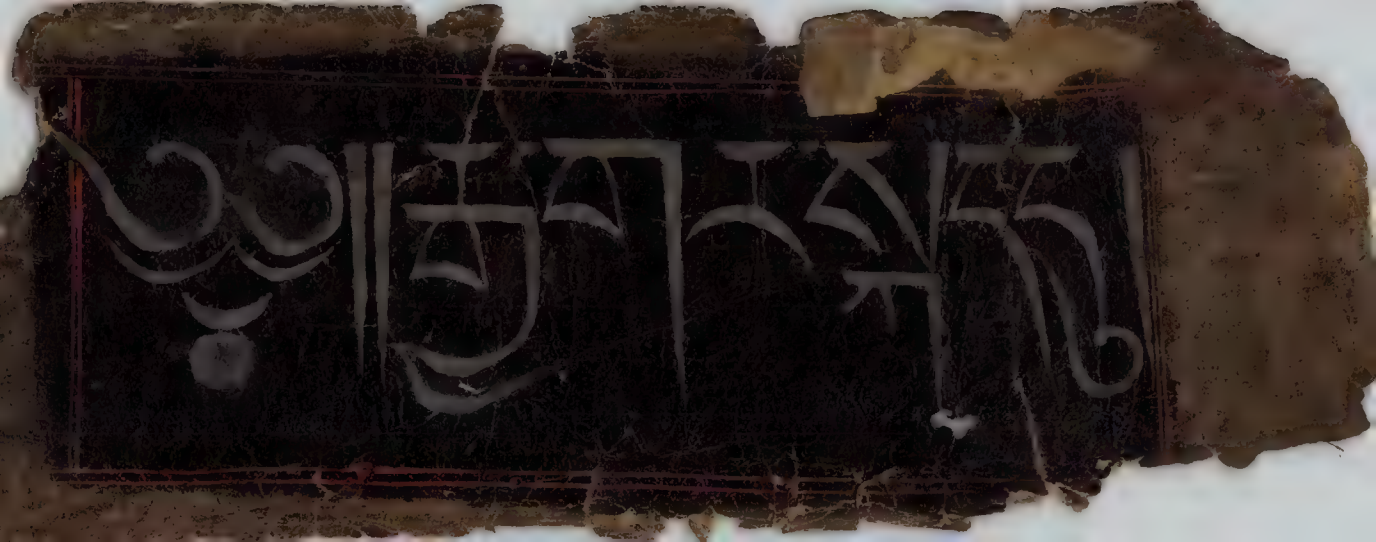
[illegible]

[illegible]









༡༡། ༣ ། ལ་དྲ་ལྷ་ཁེན་མ་མ་དྲ་ཡ། ར་མ་སྤ་སྤྱི་ཡ། བེད་སྒྲིང་དུ།

འཕགས་པ་བྱ་ཤིས་བཅུགས་པ་ཆེན་པོ་ལྷ་མ་དྲ།

ལ་ལ་ཆུ་སྤ་དྲ་བུ།

ཆུ་སྤ་ལ་ལ་དྲ་བུ་སྤ་ལ་ལྷ་ཁེན་མ་མ་དྲ་ཡ།

འེད་སྒྲིང་དྲ་བྱ་གིས་བྲས་

པའི་དུས་གཅིག་མ། བཅོམ་ལྷན་འདས་པའི་བོམ་ཆོག་གིས་གཞུས། བཟུང
ཤིས་བརྩེག་པའི་ཕ་བུང་མ་དག་བརྩེགས་པའི་ཚལ། རྩོམ་བརྩེགས་པའི
གུར། །མི་བོ་ཆུ་དམ་སྤྲོས་པའི་བྱ། གོས་སེར་པང་མའི
གདན་ལས་བུ་ཞུགས་ས། །བཟུང་ཤིས་པའི་ལ་བོར་མང་བོ་དྲུ་ལྷན་བ།

༡༡། བྱེད་ཆུབ་སེམས་དཔའ་ཆེན་པོ་སྤྱོད་ཅུ་བཅུ་དྲུག་པ་བསྟོན་པ། རིམ་ལྔ་ལྔ།
༡༢། བྱེད་ཆུབ་སེམས་དཔའ་བཀྲའ་ཉིས་མཆོག་དང་། བྱེད་ཆུབ་སེམས་དཔའ་བཀྲའ་
ཉིས་ལྔ་དང་། བྱེད་ཆུབ་སེམས་དཔའ་རྒྱ་དུ་གཟུགས་དང་། བྱེད་ཆུབ་སེམས་
དཔའ་ཡེ་སྤྱོད་ལྔ་དང་། བྱེད་ཆུབ་སེམས་དཔའ་ཉལ་ཁའི་སྤྱོད་པོ་དང་། བཀྲའ་
ཉིས་བྱེད་ཆུབ་སེམས་དཔའ་སྤྱོད་པོ་ཆེན་དང་། བཀྲའ་ཉིས་བྱེད་ཆུབ་སེམས་དཔའ་

དཔའ་ཕུང་གིས་སྤྱོད་པོ་དང་། བཀའ་ཤིས་བྱུང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་ཆུང་སྤྱོད་པོ་དང་།
བཀའ་ཤིས་བྱུང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་མེད་ཀྱིས་སྤྱོད་པོ་དང་། བཀའ་ཤིས་བྱུང་ཆུབ་
བྱུང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་རྩིས་སྤྱོད་པོ་ཅན་དང་། བཀའ་ཤིས་བྱུང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་
བཀའ་དཔལ་ཕྱེད་ཡེས་དང་། དེ་བཞིན་དུ་རྒྱུ་པར་གཟིགས་དང་། རྒྱ་གཞི་མཆོག་
དང་། མེད་པ་གཞི་མེད་སངས་རྒྱུས་འདྲི་དཔག་མེད་དང་། བཀའ་ཤིས་མཁུན་པ་དང་།

[illegible]

དཔལ་གཞི་མཉམ་ཆུང་པ་བསྐྱེད་ལས་ལོངས་ཤིང་། །བཅོམ་ལྷན་འདས་ལ་བསྐྱེད་བམང་དས
བྱས་ནས། །དེ་བཞིན་གཤེགས་པའི་དུང་དུ་ཡུས་མཐོག་གཤམ་པ་ལྷེ་དེས་ལ་བཅུག་སོ་སྟེ།
བཅོམ་ལྷན་འདས་ལ་འདྲི་སྐྱོད་ཅས་གསལ་ལོང་། །བཅོམ་ལྷན་འདས་ལ་བཀའ་ཤིས་དང་ལྷན་
པའི་འཁོར་མང་བོ་བཞུགས་པ་བསྐྱེད་བའི་དེའི་ཕྱོག་མར་བཀའ་ཤིས་ཤིང་དགེ་བར་དུ་བར་དུ་བཀའ་
ཤིས་ཤིང་མི་དགེ་རབ་བཀའ་ཤིས་མི་ཤིས་པ་ཕྱམས་ཅན་རབ་དུ་ཞིབ་བཀའ་ཤིས་པ་ཕྱམས་ཅན་

ॐ । बुद्धाय नमः । बुद्धाय नमः । बुद्धाय नमः ।
बुद्धाय नमः । बुद्धाय नमः । बुद्धाय नमः ।
बुद्धाय नमः । बुद्धाय नमः । बुद्धाय नमः ।
बुद्धाय नमः । बुद्धाय नमः । बुद्धाय नमः ।

ཆེ་ལེ་སྒྲིབ་པར་ཆེ། །ཡང་དག་པར་རྒྱུ་ས་པའི་སངས་རྒྱས་བཀྲའ་ཤིས་པ་འབྲུང་བའི་
དཔལ་གྱི་བཅུ་དྲུག་པོ་ཅས་ཀྱི་པ་ལ་བཀྲའ་ཤིས་པ་ཅུ་ག་པ་ཆེན་པོ་མཛད་པོ། །ཡན་ཏན་ ལྷ་ལྷ་མ་
ཞེས་ཀྱི་བཅུ་དྲུག་པོ་ཅས་ཀྱི་པ་ལ་བཀྲའ་ཤིས་པ་ཅུ་ག་པ་ཆེན་པོ་མཛད་པོ། །ཡན་ཏན་ ལྷ་ལྷ་མ་
པམས་ཅན་པ་ཅུ་ཞི་བར་བྱེད་པ། །བཀྲའ་ཤིས་པ་པམས་ཅན་ཡེ་ཤུ་འདུ་བར་བྱེད་པ་ནེས་སྒྲིབ་
པམས་ཅན་སེལ་བར་ལེགས་པ་ཡན་ཏན་པམས་ཅན་འདུ་བར་བྱེད་པ། །སེལ་བར་བསྐྱེད་པ།

༡༡ བ་བཟུང་པ་ལྟར་པ་ཕྱོགས་མཐའ་དགའ་བ་བསོད་མམས་ཀྱི་ཚྭ་ཐམས་ཅད་བསྐྱུས་

པ་བཀྲ་ཤིས་ཀྱི་ཚྭ་ཐམས་ཅད་འཆང་ཞིང་ཤིས་པ་སྤྲིན་བསྐྱུས་ཐམས་ཅད་སེལ་བ་

པ་བཀྲ་ཤིས་བརྩེགས་པ་ཞིས་ཕྱ་བའི་མདོ། དེས་ཁྱེད་ལ་བསྐྱེད་ཀྱིས་འདྲ་ཕྱོགས་པ་

༡༢ འམ། བསམ་པའི་བརྒྱུད་པ་ཅམ་གྱི་གུས་པ་འཛིན་རྟེན་དུ། བཀྲ་ཤིས་ཤིས་པ་

ཐམས་ཅད་པ་རྩེ་ཞི་བར་བྱེད་པའོ། མེད་པ་དང་། མེད་པ་པོ་དཔོན་པོ་དང་།

འཕགས་པ་ཞེས་པ་དང་། བཀའ་མི་ཞེས་པ་ཐམས་ཅད་འབད་པ་བྱེད་པ་མཛད་པ་
སྟེ། འདས་པ་ཅན་ཐམས་ཅད་ལ་ཡོད་པ་དང་། སྐབས་པའི་བྱེད་པ་ཞེས་པ་
ཐམས་ཅད་ཀྱིས་འབད་པ་ཞེས་པ་ཡང་ལ་བྱེད་པ་ཞེས་པ་
དེ་ལ་འཇམ་དཔ་ལ་བྱེད་པ་ཞེས་པ་། །ཡེགས་། །ཐམས་ཅད་ཀྱིས་འབད་པ་ཞེས་པ་ཐམས་ཅད་
ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡོད་པ་དང་མི་ཡོད་པ་ཐམས་ཅད་བྱེད་པ་ཞེས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱིས་འབད་པ་ཞེས་པ་ཐམས་ཅད་

[illegible]

ལྷ་ལ་འཆལ་ལོ། །ཐག་ཤིས་དཔོན་མཆོག་གསུམ་གྱི་ལྷ་ལ་ལྷ་ལ་འཆལ་ལོ། །ཐག་ཤིས་མཆོག་གིས་འདྲེམ་གོན་བརྒྱམས་ལ་ལྷ་ལ་འཆལ་ལོ། །ཐག་ཤིས་པར་བྱ་བ་
 བྱི་ལྷ་གསལ་བརྒྱུད་པར་བྱའོ། ། ༣ ། །སྐལ་ལྡན་པར་བྱ། །ལྷ་གསལ་ལྷ་གསལ་ལྷ་གསལ་
 ལྷ། ཐག་ཤིས་ལྷ། ལྷ་ལྷ་ལྷ། ལྷ་ལྷ་ལྷ། ལྷ་ལྷ་ལྷ། ལྷ་ལྷ་ལྷ། ལྷ་ལྷ་ལྷ།
 ལྷ། ལྷ་ལྷ་ལྷ། ལྷ་ལྷ་ལྷ། ལྷ་ལྷ་ལྷ། ལྷ་ལྷ་ལྷ། ལྷ་ལྷ་ལྷ། ལྷ་ལྷ་ལྷ།

སྒྲུང་དབྱིངས་དབང་པ་བཀྲའ་ཤིས་གང་ལེགས་པ། བཀྲའ་ཤིས་དེ་ཀྱང་དང་འདྲི་བདེ་ལེགས་
ཤོག ། གཙམ་ལ་བཀྲའ་ཤིས་ནི་བླ་བ་ཤིས། གཟའ་སྒྲུང་མང་པོ་ཚགས་ཀྱི་བསྐྱོར།
སའ་བཀྲའ་ཤིས་འཕྱུང་བ་ལྟ། སུ་ཆུ་མང་པོ་ཚགས་ཀྱིས་བསྐྱོར། བར་མས་བཀྲའ་ཤིས་
དཀོན་མཆོག་གསུམ། ལྷགས་བུ་སངས་ཆུས་ཚགས་ཀྱི་བསྐྱོར། དཀོན་མཆོག་གསུམ་
ཆུས་བཀྲའ་ཤིས་གང་ལེགས་པ། ། བཀྲའ་ཤིས་དེ་ཀྱང་དང་འདྲི་བདེ་ལེགས་ཤོག། ཨཱུ་ཨཱུ་

[illegible]

རྩོམ་པ་མཁས་པ་དཔལ་བཟང་གིས་གདམས་པ་ལ།

ལྷོ་མ་ལྟར་བཟུང་གིས་དེ་ལྟར་བྲིས་ལྟ།

ཆོས་ལྟར་ལྷོ་མ་ལྟར་གྲུང་གིས་གདམས་པ་ལ།

ལྷོ་མ་ལྟར་བཟུང་གིས་དེ་ལྟར་བྲིས་ལྟ།

ལྷོ་མ་ལྟར་ལྷོ་མ་ལྟར་གྲུང་གིས་གདམས་པ་ལ།

བཟུང་གིས་དེ་ལྟར་དེ་ལྟར་བྲིས་ལྟ།

ལྷོ་མ་ལྟར་བཟུང་གིས་དེ་ལྟར་བྲིས་ལྟ།

ལྷོ་མ་ལྟར་བཟུང་གིས་དེ་ལྟར་བྲིས་ལྟ།

ལྷོ་མ་ལྟར་བཟུང་གིས་དེ་ལྟར་བྲིས་ལྟ།

ཕྱི་ལོ་ བྱེད་ཀྱིས་བཀྲའ་ཁྱིམ་པོ་ཁྱིམ་པོ་
པོ་པོ་ཁྱིམ་པོ་པོ་ཁྱིམ་པོ་པོ་ཁྱིམ་པོ་པོ་

དེ་ལོ་ལྷ་མོ་གྲུ་བ་པ་བཀའ་ལྷ་ཤེས་པོ་ཁྱིམ་ལྷ།
བཀའ་ལྷ་ཤེས་པོ་ཁྱད་པོ་འདྲི་བའི་ལྷ་ཤེས་པོ།

ॐ बुद्धाय नमः । ॐ बुद्धाय । ॐ अक्षयय नमः । ॐ अक्षयय नमः । ॐ

[illegible]

གིས། སངས་རྒྱལ་ལྷ་ས་ཀྱི་བྱིན་ལས་ཀྱི། །བྱེད་ཀྱིས་དཔལ་བཅའ་འཕྲུག་གིས།

མདེའ་སྒྲུབ་ཅེས་པ་བྱིན་རྒྱལ་སྐྱེ་བའི། བཅའ་པའ་ལྟ་བུ་ཀུན་ཁྱབ་ཅིང་། ཉི་ཟླ་ལྟ་བུ་ཀུན་གསལ་
བའི། སྐར་མ་ལྟ་བུ་བཟང་མང་ཞིང་། སྤྱིན་ཚལ་ས་ལྟ་བུ་ལྟ་སྤྱད་སྤྱ། འཇའ་
ཚོན་ལྟ་བུ་རྒྱ་ཇས་སྤྱད་ཅིང་། རི་ཁྱོད་ལྟ་བུ་བརྒྱན་བཅེས་ཅིང་། ས་གཞིའ་ལྟ་བུ་ཀུན་ཁྱབ་སྤྱད་
ཅིང་། རྒྱུ་ཚོའ་ལྟ་བུ་རྒྱུ་སྤྱད་ཅིང་། ། ལྟོན་གིང་ལྟ་བུ་འདས་རྒྱས་ཞིང་། ཡིད་བཞིན་ཚུལ་བུ་
ཞི་ཚེན་ལྟར། སྐལ་འཕྱོགས་ལྟར་གྲུ་འཕྱོགས་ལྟར་བཟུང་ཅིང་། ། ལྟོན་གིས་བཟང་ཅིང་།

ॐ । ३ । शिसः यत्तु रतिगः सुदु । ३ ।
वति के व वग्नः शिसः वादः लोकाः य ।
रति य दः म दः पः कः वा । शिसः य दः लोकाः य ।
वग्नः शिसः दः दः दः रतिः व दः लोकाः य ।
व दः पः कः वा व वग्नः शिसः वादः लोकाः य ।

दः म दः पः कः वा व वग्नः शिसः वादः लोकाः य ।
वग्नः शिसः दः दः दः रतिः व दः लोकाः य ।
रति य दः म दः पः कः वा । शिसः य दः लोकाः य ।
वग्नः शिसः दः दः दः रतिः व दः लोकाः य ।
व दः पः कः वा व वग्नः शिसः वादः लोकाः य ।

མེལ་མེད་པ་བརྩོན་འགྲུས་པ་རེལ་ཕྱིན།

བརྩོན་འགྲུས་ཆེན་པོ་བརྟམ་ཞིས་གང་ལེགས་པ།

བརྟམ་ཞིས་དེ་ཉུང་དེ་འདྲིའི་བཅའ་ལེགས་ཤོག།

འཁྱུར་ལྡོག་པ་བསམ་གཏན་པ་རེལ་ཕྱིན།

བསམ་གཏན་ཆེན་པོ་བརྟམ་ཞིས་གང་ལེགས་པ། བརྟམ་ཞིས་དེ་ཉུང་དེ་འདྲིའི་བཅའ་ལེགས་ཤོག།

ལེགས་ཤོག།

མཆོག་ཐོག་མེད་སྟོབས་ཀྱི་པ་རེལ་ཕྱིན།

སྟོབས་ཆེན་ལྷགས་ཀྱི་བརྟམ་ཞིས་

གང་ལེགས་པ།

བརྟམ་ཞིས་དེ་ཉུང་དེ་འདྲིའི་བཅའ་ལེགས་ཤོག།

མེད་པ་སྟོབས་ལམ་

༡༠ ། ཡ་ལྟེ་ཕྱིན། ། རྩོམ་ལམ་ཆེན་པོ་བཀྲ་ཤིས་གད་ལེགས་པ། ། བཀྲ་འུ་ཤིས་དེ་རྒྱ
 ་ དེ་འདྲི་བདེ་ལེགས་ཤོག། ་ གད་ཡང་མ་འབྲུག་ཐུབ་སྟེ་ཡ་ལྟེ་ཕྱིན། ་ ཐུབ་སྟེ་ཤིས
 ་ ཡ་ལྟེ་ཕྱིན་བཀྲ་ཤིས་གད་ལེགས་པ། ་ བཀྲ་ཤིས་དེ་རྒྱ་དེ་འདྲི་བདེ་ལེགས་ཤོག། ་ ལྷ་ཐུལ་
 ་ བཅིང་པ་ཤིས་རབ་ཡ་ལྟེ་ཕྱིན། ་ ཤིས་རབ་ཆེན་པོ་བཀྲ་ཤིས་གད་ལེགས་པ། ་ བཀྲ་འུ་ཤིས་དེ་རྒྱ
 ་ དེ་འདྲི་བདེ་ལེགས་ཤོག། ་ ཆེན་པོ་མེད་པ་ཡི་ཤིས་ཡ་ལྟེ་ཕྱིན། ་ ཡི་ཤིས་ཆེན་པོ་བཀྲ་ཤིས

གང་ལེགས་པ། བཀའ་ཤིང་འདྲི་བའི་ལེགས་ཤོག། །ཕ་མ་ཕྱི་མ་བཅུ་ལྟར་བཀའ་ཤིང་གང་
ལེགས་པ། །བཀའ་ཤིང་འདྲི་བའི་ལེགས་ཤོག། །སྐྱེ་སྐྱོད་ཀྱི་སྐྱེ་སྐྱོད་སྐྱེ་སྐྱོད་
ཕ་མ་ཕྱི་མ་བཅུ་ལྟར་བཀའ་ཤིང་འདྲི་བའི་ལེགས་ཤོག། །ཕ་མ་ཕྱི་མ་བཅུ་ལྟར་བཀའ་
ཤིང་འདྲི་བའི་ལེགས་ཤོག། བཀའ་ཤིང་འདྲི་བའི་ལེགས་ཤོག། བཀའ་ཤིང་འདྲི་བའི་ལེགས་ཤོག།
གང་ལེགས་པ། བཀའ་ཤིང་འདྲི་བའི་ལེགས་ཤོག། བཀའ་ཤིང་འདྲི་བའི་ལེགས་ཤོག། བཀའ་ཤིང་འདྲི་བའི་ལེགས་ཤོག།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

महामुनि

